राजकीय महाविद्यालय, कोटा (राज.)

(NAAC द्वारा "A" ग्रेड़ प्राप्त संस्थान)
Email address principalgckota@gmail.com

संक्षिप्त वार्षिक प्रतिवेदन
सत्र–2022–23

प्रो. अरुण कुमार
प्राचार्य एवं संरक्षक

उच्च शिक्षा विभाग

आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान (जयपुर)

सत्र 2022–23 राजकीय महाविद्यालय कोटा के लिए शैक्षणिक एवं सह–शैक्षणिक गतिविधियों की दृष्टि से कई उपलब्धियों से युक्त रहा है। सह–शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास,जागरूकता से लेकर प्लेसमेंट एवं रोजगारोन्मुख जानकारियों से युक्त कार्यक्रम आयोजित किये गये तो कई गतिविधियों में विद्यार्थियों ने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। महाविद्यालय के संकाय सदस्यों ने अपने शोध कार्यों के अन्तर्गत शोध केन्द्रित सेमिनार, कार्यशाला, शोध निर्देशन, शोध पत्र व पुस्तक लेखन व प्रकाशन के कार्य सम्पादित किये गये। सत्र 2022–23 में सम्पादित गतिविधियों का संक्षेप में विवरण निम्नानुसार है।

- **प्राणिशास्त्र विभाग–** प्राणिशास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय स्तर के तीन व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किये जिसमें विशेषज्ञ विद्वानों द्वारा जानकारी दी गई। पांच शोधार्थियों द्वारा प्री.पीएचडी सेमीनार आयोजित कर अपना शोध कार्य विश्वविद्यालय में जमा कराया, विभाग के तीन छात्रों को कोटा विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी की डीग्री प्रदान की गई। विभाग द्वारा कृषि विश्वविद्यालय तथा कासिमपुरा में शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से छात्रों को जैव विविधता का अध्ययन कराया।
- भौतिकशास्त्र विभाग द्वारा क्वांटम थ्यौरी आफॅ ब्लेकहोल, न्यूक्लीयोन स्केटरिंग, माइक्रोवेव डिवाइसेज एण्ड टू टर्मिनल माइक्रोवेव नेटवर्क जैसे महत्वपूर्ण विषय पर विद्यार्थी केन्द्रित विस्तार व्याख्यान आयोजित जिये जिसमें विशेषज्ञ विद्वानों द्वारा (डॉ.के.पी. माहेश्वरी, डॉ.बी.के.योगी, डॉ.जीएस रघुवंशी) व्याख्यान दिये।
- रसायन शास्त्र विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए **'ए स्टडी ऑन स्मार्ट बोर्ड–इफेक्टीवनेस इन टीचिंग लर्निंग एक्सपिरियंशेज'** विषय पर सेमीनार, **वाटर कंजर्वेशन'** विषय पर जागरूकता कार्यक्रम तथा विद्यार्थियों को डीएसटी राजस्थान का **शैक्षणिक भ्रमण** करवाया गया। विभाग के 2 शोध छात्रों द्वारा डॉ.मोनिका दक्षिणी तथा डॉ.रेणुका जैन के निर्देशन में पीएचडी थिसीस सब्मिट करवाई गई।
- गणित विभाग– फ्रेक्शनल केलकूलस एण्ड मॉडलिंग विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें प्रोफेसर एसडी पुरोहित ने व्याख्यान दिया तथा पीजी के विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम आधारित दो दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया।
- वनस्पति शास्त्र विभाग– वनस्पति विभाग द्वारा शोध एवं विद्यार्थी केन्द्रीत कई कार्यक्रम आयोजित किये। जैसे बौद्धिक सम्पदा का अधिकार विषय पर कार्यशाला, विद्यार्थियों में वानस्पतिक ज्ञान

कराने के उद्देश्य से शैक्षणिक भ्रमण, औषधीय पादपों की पहचान एवं उपयोग के उद्देश्य से औषधीय पादपों की प्रदर्शनी का आयोजन, चम्बल महोत्सव में पुष्प प्रदर्शनी में भागीदारी, माइक्रोबायोलोजिस्ट ऑफ इंडिया कोटा चैप्टर के तत्वावधान में विज्ञान दिवस का आयोजन, महाविद्यालय में स्थित वृक्षों की वानस्पतिक जानकारी वन क्लिक में होने के उद्देश्य से वृक्षों पर QR कोड पट्टिका लगाने का सराहनीय कार्य किया गया जो जिले में पहला प्रयास है। विभाग में 2 छात्रों पीएचडी डीग्री प्राप्त हुई तथा 4 शोध छात्रों के प्री पीएचडी सेमीनार हुए।

- हिन्दी व अंग्रेजी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से विद्यार्थी केन्द्रीत कम्यूनिकेशन स्कील एवं भाषा कौशल विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- एनएसएस स्काउट– महाविद्यालय में संचालित एनएसएस और स्काउट यूनिट्स द्वारा विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, व्यक्तित्व विकास, समाज सेवा, त्याग और समर्पण के राष्ट्रीय भावना जाग्रत करने के लिए निरंतर कार्यरत रहती हैं। स्काउट के 10 रावर्स ने पाली में आयोजित 18वीं जम्बूरी में भाग लिया, महाविद्यालय के स्वदेश सिंह सोलंकी ने दार्जलिंग में आयोजित राज्य स्तरीय साहसिक शिविर में भाग लिया तथा स्काउट के राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में महामहिम राज्यपाल महोदय के कर कमलों से राज्य स्तरीय सम्मान प्राप्त किया।
- **महाविद्यालय में एनएसएस** की दो यूनिट कार्यरत है। एनएसएस स्वयं सेवाकों ने कार्यक्रम अधिकारियों के निर्देशन में आयुक्तालय द्वारा जारी वार्षिक कलैण्डर के अनुसार अधिकतम लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए समाज सेवा, वृक्षारोपण, श्रमदान, महापुरूषों की जयंति एवं व्याख्यान, सामाजिक क्षेत्र के विविध विषयों पर सर्वेक्षण एवं विश्लेषण, शिविरों का आयोजन आदि के प्रसंशनीय कार्य किये। इसके साथ ही बार्क ट्रस्ट यूनिसेफ जयपुर के तत्वावधान में 'लैगिक समानता' विषय पर किये गये आर्थिक सर्वेक्षण में एनएसएस के 8 स्वयं सेवकों ने भाग लिया।
- **नवाचार प्रकोष्ठ एवं इन्क्यूबेशन सेल** द्वारा रोजगारोन्मुख कौशल विकास, स्किल डवलपमेंट के उद्देश्य से कई कार्यक्रम एवं व्याख्यान आयोजित किये गये। वर्तमान में मुख्यमंत्री युवा कौशल योजना (MMYKY) के तहत कोशल विकास के कई कोर्स निःशुल्क संचालित किये जा रहे हैं। प्रशिक्षण के बाद छात्रों को **RSLDC** संस्था द्वारा प्रमाण–पत्र भी दिये जाते हैं जिसके माध्यम से विद्यार्थी स्वयं का रोजगार सृजित कर सकते हैं, इन्क्यूबेशन सेल के तहत छात्र आई–स्टार्टप में रजिस्ट्रेशन करवाकर स्टार्टप शुरू कर सकता है।

- **महिला प्रकोष्ठ–** महिला प्रकोष्ठ महाविद्यालय में बालिकाओं में जागरूकता, सतर्कता, व्यक्तित्व विकास, महिला अधिकारों आदि के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम संचालित करता है। जैसे

राजस्थान सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं पर व्याख्यान, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विविध प्रकार के आयोजन, मेन्सट्रल साइकल एवं सर्वाइकल कैंसर जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित कर जानकारी दी गई।

- प्लेसमेंट सेल– महाविद्यालय में स्थापित प्लेमेट सेल के माध्यम प्लेसमेंट शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक प्लेसमेंट के प्रयास किये जाते हैं तथा रोजगार के विविध क्षत्रों की जानकारी दी जाती है। प्लेसमेंट सेल के माध्यम से महाविद्यालय के 2 छात्रों का 3 से 5 लाख के पेकेज पर केमिस्ट पद पर चयन हुआ तथा 10 विद्यार्थियों को NITT गुड़गांव द्वारा शोर्ट लिस्ट किया गया है।
- **स्वीप–(SVEEP)** अंतर्गत महाविद्यालय द्वारा जिला प्रशासन एवं निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार निरंतर मतदाता जागरूकता, मतदाता साक्षरता, मतदान प्रशिक्षण, वोटर हेल्प लाइन, चुनाव संबंधित नये एप्स की जानकारी देना आदि कार्यक्रम किये जा रहे है।
- **खेलकूद गतिविधि–** महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अन्तर महाविद्यालय स्तर के साथ अन्तर विश्वविद्यालय स्तर की खूलकूद प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व किया है। महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने रस्सा–कस्सी, तीरंदाजी, बेडटिन, शतरंज, हॉकी, कराटे, खो–खो, नेटबॉल, स्वीमिंग, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, योगा में अन्तर महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं के माध्यम से चयनित होकर कोटा विश्वविद्यालय कोटा का अन्तर विश्वविद्यालयी प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व किया।
- शोध कार्य– महाविद्यालय के संकाय सदस्य निरंतर शोध कार्यों में संलग्न रहकर शोध निर्देशन के साथ–साथ स्वयं के शोध पत्रों, पुस्तकों का प्रकाशन करवाकर अपने अकादमिक स्तर को निरंतर अपडेट कर रहे हैं। विगत सत्र में संकाय सदस्यों द्वारा 40 से अधिक शोध पत्रों तथा 15 से अधिक पुस्तकों व चैप्टर्स का प्रकाशन करवाया है।
- **उड़ान योजना** के अंतर्गत महाविद्यालय बालिकाओं को निरंतर लाभान्वित किया जा रहा है। महाविद्यालय में उड़ान योजना की प्रभारी डॉ.सुमन शर्मा ने महाविद्यालय की छात्राओं को समय–समय महाविद्यालय में आयोजित विविध गतिविधियों के माध्यम से इस योजना का प्राचार–प्रसार कर अधिक से अधिक छात्राओं को योजनाओं का लाभ पहंचाया।

principal